

कारगलि वजिय-दविस

स्रोत: बजिनेस स्टैंडर्ड

भारत में 1999 के कारगलि युद्ध में लड़ने वाले भारतीय सैनिकों की बहादुरी के सम्मान में प्रतिवर्ष 26 जुलाई को **कारगलि वजिय दविस** मनाया जाता है।

- जुलाई 2025 में 26वें कारगलि वजिय दविस के अवसर पर, भारतीय सेना ने सैनिकों की वीरता और बलिदान को सम्मानित करने के लिये तीन प्रमुख पहलें शुरू की।
 - इनमें ई-शरद्धांजलि पोर्टल, कारगलि युद्ध की कहानियाँ साझा करने वाला QR कोड आधारित ऑडियो ऐप और बटालिकि सेक्टर में नयितरण रेखा (LoC) पर नया दृष्टिकोण शामिल है।
- कारगलि युद्ध की शुरुआत 1999 में **लाहौर घोषणा पत्र (Lahore Declaration)** के तुरंत बाद हुई। इस समझौते का उद्देश्य भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और भरोसे को बढ़ावा देना था। हालाँकि इसके कुछ ही समय बाद **पाकिस्तानी सेना और घुसपैठियों ने चुपचाप लद्दाख के कारगलि जिले की रणनीतिक पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया**। ये क्षेत्र सर्दियों के कारण उस समय भारतीय सेना द्वारा अस्थायी रूप से खाली किये गए थे।
 - इसके जवाब में भारतीय सेना ने "ऑपरेशन वजिय" (Operation Vijay) नामक सैन्य अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य **लद्दाख के कारगलि क्षेत्र में कब्जा की गई ऊँचाइयों को फिर से अपने नयितरण में लेना** था।
 - भारतीय वायुसेना ने "ऑपरेशन सफ़ेद सागर" (Operation Safed Sagar) लॉन्च किया, जिसके तहत दुश्मन की **ऊँची और दुर्गम पहाड़ियों पर स्थिति ठिकानों को लक्षित किया गया**।
 - वहीं भारतीय नौसेना ने "ऑपरेशन तलवार" (Operation Talwar) की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत **अरब सागर में दबाव बनाते हुए पाकिस्तान की समुद्री गतिविधियों पर नज़र रखी गई और रणनीतिक घेराबंदी की गई**।
 - यह युद्ध टोलोलगि, टाइगर हलि, द्रास और बटालिकि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण भूभाग पर लड़ा गया था।
- ऑपरेशन वजिय की सफलता के सम्मान में वर्ष 2000 में **द्रास, लद्दाख में कारगलि युद्ध स्मारक** का निर्माण किया गया था।
- दिल्ली में **राष्ट्रीय युद्ध स्मारक** प्रमुख संघर्षों के सैनिकों को सम्मानित करता है, जिनमें वर्ष 1962 में **चीन-भारत युद्ध, 1947, 1965 और 1971 में भारत-पाक युद्ध, 1987-90 में श्रीलंका में भारतीय शांति सेना के अभियान और 1999 में कारगलि संघर्ष** शामिल हैं।

और पढ़ें: [कारगलि वजिय दविस](#)